# अध्याय-12 | भदंत आनंद कौसल्यायन

## Worksheet-1

### बहुविकल्पी प्रश्न

**1. संस्कृति पाठ के अनुसार कौन रूस का भाग्य विधाता है?**

(अ) इनमें से कोई नहीं (ब) चर्चिल

(स) लेनिन (द) स्टालिन

**2. संस्कृति पाठ के अनुसार परिष्कृत का क्या अर्थ है?**

(अ) जिसका परिष्कार किया गया हो (ब) शुद्ध किया हुआ

(स) साफ किया हुआ (द) सभी विकल्प सही हैं

**3. संस्कृति पाठ में न्यूटन को क्या कहा गया है?**

(अ) आदि मानव (ब) संस्कृत मानव

(स) एक वैज्ञानिक (द) दिशा दिखाने वाला

**4. संस्कृति पाठ के आधार पर मनीषी किसे कहा गया है?**

(अ) वैज्ञानिक को (ब) चिंतनशील को

(स) लेखक को (द) आविष्कारक को

**5. संस्कृति पाठ के आधार पर लिखिए कि जो मनुष्य के लिए कल्याणकारी नहीं है, वहः**

(अ) न आविष्कार है और न अनुसंधान। (ब) न खोज है और न प्रयोग।

(स) न सभ्यता है और न संस्कृति। (द) न परंपरा है और न रीति-रिवाज।

**6. संस्कृति की छीछालेदर कब होती है?**

(अ) किसी जाति विशेष के साथ जोड़ने पर (ब) दूसरी जाति को हीन बताने पर

(स) दूसरों को मरने-मारने के लिए तैयार हो जाने पर (द) सभी विकल्प सही हैं

**7. संस्कृति पाठ के अनुसार सुई-धागे का आविष्कार क्यों हुआ होगा?**

(अ) कपड़े सीने के लिए (ब) घर बनाने के लिए

(स) पेट की आग शांत करने के लिए (द) शरीर ढकने एवं सर्दी से बचने के लिए

**8. संस्कृति पाठ के अनुसार मनीषियों की क्या देन रही है?**

(अ) सभ्यता का कुछ हिस्सा (ब) समृद्ध समाज

(स) मौलिक विचार (द) प्रगतिशील देश

**9. संस्कृति पाठ के अनुसार संस्कृति कब असंस्कृति में बदल जाती है?**

(अ) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर (ब) पुरानी पड़ने पर

(स) धर्म परिवर्तन होने पर (द) ईश्वर की भक्ति न करने पर

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

**10. संस्कृति पाठ के अनुसार मनीषियों से मिलने वाला ज्ञान किसका परिचायक है?**

(अ) हमारी उन्नति का (ब) मानव कल्याण का

(स) सभी विकल्प सही हैं (द) देश के विकास का

## रिक्त स्थान :

**11.** संस्कृति का संबंध _____ होता है।

**12.** संस्कृति का जनक _____ है।

## सत्य / असत्य

**13.** जो असभ्यता मानव को आत्म-विनाश की ओर ले जाती है।

**14.** संस्कृति पाठ के अनुसार आत्म-विनाश के साधन का आशय क्रोध है।

## अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

**15.** भदंत आनंद कौसल्यायन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

**16.** संस्कृति पाठ के अनुसार संस्कृत व्यक्ति से लेखक का क्या तात्पर्य है?

## लघूत्तरात्मक प्रश्न

**17.** संस्कृति पाठ के लेखक किन तर्कों के आधार पर न्यूटन को संस्कृत मानव कहते हैं? क्या आप भी उनसे सहमत हैं?

**18.** सुसंस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है? संस्कृति पाठ के आधार पर लिखिए।

## निबंधात्मक प्रश्न

**19.** लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?

**20.** मानव संस्कृति संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है। किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जब जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया।

## HOTS

**21.** संस्कृति पाठ हमें क्या प्रेरणा देता है —

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स) लेनिन।
2. (द) सभी विकल्प सही हैं
3. (ब) संस्कृत मानव
4. (ब) चिंतनशील को
5. (स) न सभ्यता है और न संस्कृति।
6. (द) सभी विकल्प सही हैं
7. (द) शरीर ढकने एवं सर्दी से बचने के लिए।
8. (अ) सभ्यता का कुछ हिस्सा मनीषियों की देन रहा है।
9. (अ) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर
10. (स) सभी विकल्प सही हैं
11. **रिक्त स्थान :** कल्याण भावना से
12. **रिक्त स्थान :** ज्ञान पैदा करने वाला
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. अंबाला के सोहाना गाँव में सन् 1905 में।
16. नई चीज खोज करने वाला व्यक्ति।
17. विज्ञान विषयक पाठ में जो व्यक्ति नए तथ्यों का आविष्कार करता है, उसे संस्कृत व्यक्ति कहा जाता है। न्यूटन ने भी सर्वप्रथम गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त को प्रतिपादित किया, इसलिए वह संस्कृत मानव है। संस्कृत व्यक्ति ही आविष्कार के जनक होते हैं।
18. सुसंस्कृत व्यक्ति वह है जो अपनी प्रवृत्ति, योग्यता और प्रेरणा के बल पर नवाचार कर सके। इसके साथ ही, वह व्यक्ति जो निःस्वार्थ त्याग की भावना रखता है और लोककल्याण की दिशा में कार्य करता है, उसे भी सुसंस्कृत माना जाता है। ऐसे व्यक्ति अपनी संस्कृति और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए, नए दृष्टिकोण और विचारों को समाज में लागू करते हैं।
19. लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति शब्दो का प्रयोग अधिक होता है परन्तु समझ में कम आता है। इनके साथ अनेक तरह के भारी भरकम विशेषण लगा देने से इन्हे समझना और भी कठिन हो जाता है। लोग इनके संबंध में अपने विचार प्रस्तुत करते हैं लेकिन आम जनता की इन शब्दों अथवा इनके अर्थ के संबंध में अब तक एक स्पष्ट समझ नहीं बन पायी है। लोग अपने हिसाब से इन शब्दों अथवा अवधारणाओं को उपयोग करते हैं एवं अपनी सुविधा के अनुसार ही वे इनका अर्थ निकालते हैं। अतः इन दोनों शब्दों के संबंध में अर्थ की दृष्टि से एवं इनके उपयोग की दृष्टि से भी समाज एवं कहें तो लेखक वर्ग में भी अब तक सही समझ नहीं बन पाई है।
20. भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ मिलजुलकर रहते हैं क्योंकि भारत एक बहुसांस्कृतिक देश है और प्रत्येक धर्म, जाति, वंश, रंग, रूप के लोग यहाँ मिलजुलकर रहते हैं। अनेक बार धर्म के आधार पर हिन्दू मुस्लिमों को एक दूसरे से लड़ाने की कोशिश की गयी लेकिन भारतीयों ने इसका जमकर मुकाबला किया। उदाहरण के तौर पर 1909 में जब अंग्रेजों ने साम्प्रदायिक मतदान पद्धति को लागू किया तो उस दौर में भी अनेक मुस्लिम नेताओं ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ मिलकर प्रगतिशील विचारधारा का साथ दिया और भारत के लिए पूर्ण आजादी की बात की। एक और अन्य उदाहरण के रूप में देख सकते हैं, मुसलमानों को हिन्दुओं के खिलाफ खड़ा करने के लिए अंग्रेजों ने मुसलमानों को अनेक प्रकार की सहूलियतें दी थीं लेकिन उसके वावजूद भी मुसलमानों ने भारत की आजादी की लड़ाई में हर कदम पर चाहे वह असहयोग आन्दोलन हो, डांडी यात्रा हो या फिर आगे भी, मुसलमानों ने प्रत्येक बार आजादी के लिए हुए संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया और भारत के लिए पूर्ण आजादी का समर्थन किया।
21. संस्कृति पाठ हमें प्रेरणा देता है कि इस परिवर्तनशील संसार में सब कुछ परिवर्तित हो रहा है। धारणाएँ और सोच में भी निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। इस क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकडे रहना उचित नहीं है। उन्हीं बातों को मानना उचित है जो मानव कल्याण के प्रति मनुष्य को प्रेरित करती हैं वही मानव संस्कृति है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | Test Series
Download Mission Gyan App